

दूरस्थ प्रणाली उत्पादकता का शहरी रोजगार एवं भारतीय

अर्थव्यवस्था की गुणवत्ता पर प्रभाव:-

डॉ. वंदना शर्मा

असिस्टेंट प्रोफेसर

राजकीय रज़ा पी.जी. कॉलेज रामपुर उ.प्र.

सारांश:

दूरस्थ कार्य के आगमन ने आर्थिक परिवर्तन के एक नए युग की शुरुआत की है, जिससे स्थानीय अर्थव्यवस्थाओं की गतिशीलता को नया रूप मिला है दूरस्थ कार्य के संदर्भ में इस अवधारणा का महत्व और भी बढ़ जाता है, क्योंकि यह आर्थिक गतिविधियों की एक श्रृंखला को जन्म देता है जो दूरस्थ श्रमिकों से उनके स्थानीय समुदायों तक फैलती है। दूरस्थ कार्य की बढ़ी हुई लचीलता और कम भौगोलिक बाधाओं ने संसाधनों के आवंटन को नया आकार दिया है। दूरस्थ कार्य पर निरंतर निर्भरता शहरी केंद्रों में वाणिज्यिक अचल संपत्ति की मांग में कमी ला सकती है, जिसके लिए अनुकूल शहरी नियोजन रणनीतियों की आवश्यकता होगी। रिमोट वर्क एक ऐसे उत्प्रेरक के रूप में उभरा है जिसका भारतीय अर्थव्यवस्था की गुणवत्ता पर परिवर्तनकारी प्रभाव पड़ा है। तकनीकी प्रगति और वैश्विक परिस्थितियों से प्रेरित होकर, रिमोट वर्क के तरीकों को तेज़ी से अपनाए जाने से, सामुदायिक स्तर पर आर्थिक गतिशीलता में बदलाव आया है। कुल मिलाकर आर्थिक प्रोत्साहन मिलता है। इसके बदले में, इससे स्थानीय सरकारों का कर राजस्व बढ़ता है, जिससे वे सार्वजनिक सेवाओं और सामुदायिक विकास की पहलों में निवेश कर पाती हैं।

मुख्य शब्द: दूरस्थ कार्य उत्पादकता, शहरी रोजगार, आर्थिक गुणवत्ता |